Toppersnotes®
Unleash the topper in you

हरियाणा

सहायक जिला अटॉर्नी (ADAs)

हरियाणा लोक सेवा आयोग (HPSC)

भाग - 5

हरियाणा सामान्य ज्ञान

SIERRA INNOVATIONS

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
1	हरियाणा सामान्य ज्ञान	1
2	हरियाणा का प्राचीन इतिहास	13
3	हरियाणा में सिंधु घाटी सभ्यता	15
4	वैदिक सभ्यता (1500 ईसा पूर्व – 600 ईसा पूर्व)	23
5	बौद्ध धर्म और जैन धर्म	27
6	हरियाणा के प्राचीन साम्राज्य	30
7	हरियाणा में पुष्यभूति राजवंश	34
8	हरियाणा में प्रतिहार शासन	39
9	हरियाणा का मध्यकालीन इतिहास	41
10	सल्तनत काल के दौरान हरियाणा	44
11	मुग़ल साम्राज्य और हरियाणा (1526–1707 ई.)	49
12	आधुनिक इतिहास – हरियाणा में अंग्रेज़	54
13	हरियाणा में 1857 का विद्रोह	58
14	हरियाणा में कांग्रेस और राष्ट्रीय आंदोलन	65
15	आर्य समाज और सनातन धर्म	73
16	हरियाणा की भौगोलिक संरचना	75
17	हरियाणा की जलवायु	84
18	हरियाणा में मृदा	90
19	हरियाणा में अपवाह तंत्र	96
20	हरियाणा की झीलें एवं तालाब	106
21	हरियाणा में सिंचाई प्रणाली	110
22	हरियाणा के बांध	117
23	वन, राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीव हरियाणा में अभयारण्य, प्रजनन केंद्र	120

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
24	हरियाणा में कृषि	134
25	हरियाणा में पशुपालन	147
26	हरियाणा में उर्जा संसाधन	156
27	हरियाणा की औद्योगिक संरचना	164
28	हरियाणा में पाए जाने वाले खनिज	182
29	हरियाणा में परिवहन एवं संचार प्रणाली	186
30	राज्यपाल	202
31	मुख्यमंत्री और राज्य मंत्रिपरिषद्	209
32	राज्य विधानमंडल	212
33	उच्च न्यायालय	221
34	स्थानीय स्वशासन एवं पंचायती राज	228
35	हरियाणा के संवैधानिक निकाय	240
36	हरियाणा के गैर–संवैधानिक निकाय	245
37	हरियाणा का जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल	252
38	हरियाणा का हस्तशिल्प कला	256
39	हरियाणा की वास्तुकला	258
40	हरियाणा में चित्रकला एवं कला	263
41	हरियाणा का लोक संगीत और नृत्य	265
42	हरियाणा की भाषाएँ और बोलियाँ	273
43	हरियाणा की सांस्कृतिक विरासत	279
44	हरियाणा के किले एवं स्मारक	285
45	हरियाणा के त्यौहार	289
46	हरियाणा के मेले और त्यौहार	293

1 CHAPTER हरियाणा सामान्य ज्ञान

हरियाणा	
सामान्य जानकारी	➢ **स्थापना दिवस**: 1 नवंबर 1966 ➢ **स्थान**: भारत का उत्तर-पश्चिमी राज्य ➢ **राजधानी**: चंडीगढ़ (केंद्र शासित प्रदेश) ➢ **भौगोलिक निर्देशांक**: 27°39' - 30°55'5" उत्तर, 74°27'8" - 77°36'5" पूर्व ➢ **सीमाएँ** ✓ **राज्य:** हिमाचल प्रदेश (उत्तर), राजस्थान (दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम), उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड (पूर्व) ✓ **केंद्र शासित प्रदेश**: दिल्ली (पूर्व), पंजाब और चंडीगढ़ (उत्तर-पश्चिम) ➢ **जनसंख्या के अनुसार रैंक**: 18वां (तेलंगाना बनने के बाद 17वां) (जनगणना 2011) ➢ **महत्वपूर्ण नदियाँ**: यमुना (बारहमासी), घग्गर, इंदौरी, साहिबी, मारकंडा
क्षेत्र	➢ **क्षेत्रफल**: 44,212 वर्ग किमी (डेनमार्क के बराबर) ➢ **क्षेत्रफल के अनुसार रैंक:** 21वां (जम्मू-कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद 20वां) ➢ **सबसे बड़ा जिला (क्षेत्रफल के अनुसार)**: सिरसा (4,277 वर्ग किमी) ➢ **सबसे छोटा जिला (क्षेत्रफल के अनुसार)**: फरीदाबाद (741 वर्ग किमी)
प्रशासनिक संरचना	➢ **कुल ग्राम पंचायतें:** 6,225 ➢ **कुल पंचायत समितियाँ:** 126 ➢ **कुल शहर और कस्बे:** 154 ➢ **उच्च न्यायालय:** पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय (चंडीगढ़) ➢ **विधानमंडल:** एक सदनीय (विधानसभा) ➢ **विधायक:** 90 ➢ **राज्यसभा सांसद:** 5 ➢ **लोकसभा सांसद:** 10
राज्य चिह्न	➢ **राज्य पुष्प**: कमल (नेलुम्बो न्यूसिफेरा) ➢ **राज्य फल**: आम (मैंगीफेरा इंडिका) ➢ **राज्य वृक्ष**: पीपल (फ़िकस रिलिजिओसा) ➢ **राज्य खेल**: कुश्ती

महत्वपूर्ण दिन	➢ **हरियाणा दिवस:** 1 नवंबर ➢ **हरियाणा पर्यटन दिवस:** 1 सितंबर ➢ **हरियाणा वीर शहीदी दिवस**: 23 सितंबर
बोली	➢ **आधिकारिक भाषा:** हिंदी ➢ **दूसरी आधिकारिक भाषा:** पंजाबी (चौ. भूपिंदर हुड्डा द्वारा 2010 में घोषित) ➢ **पिछली दूसरी भाषा:** तमिल (चौ. बंसी लाल द्वारा 1969 में घोषित)
संस्कृति और साहित्य	➢ **राज्य मिठाई**: जलेबी या घेवर ➢ **राज्य नृत्य**: सांग (स्वांग) ➢ **प्रमुख त्यौहार**: लोहड़ी, भाई दूज (टिक्का)
महत्वपूर्ण स्थल	➢ **हरियाणा का पहला तीर्थ स्थल:** कुरुक्षेत्र ➢ **एशिया का सबसे बड़ा कैक्टस गार्डन**: कैक्टस गार्डन, पंचकूला ➢ **एशिया का सबसे बड़ा मवेशी फार्म:** हिसार ➢ **प्राचीन सिक्कों और बर्तनों का संग्रहालय**: झज्जर ➢ **राज्य का एकमात्र हिल स्टेशन**: मोरनी पहाड़ी(पंचकूला) ➢ **सबसे ऊँचा स्थान**: करोह पीक (1,514 मीटर, वास्तविक ऊँचाई 1,467 मीटर)
पुरस्कार एवं मान्यताएँ	➢ **सर्वोच्च साहित्यिक पुरस्कार**: हरियाणा साहित्य रत्न सम्मान ➢ **सर्वोच्च खेल पुरस्कार**: भीम पुरस्कार ➢ **सर्वोच्च कृषि पुरस्कार**: जननायक च. देवीलाल पुरस्कार
नेता और प्रमुख व्यक्तित्व	➢ **प्रथम मुख्यमंत्री:** भगवत दयाल शर्मा ➢ **प्रथम राज्यपाल:** धर्मवीर ➢ **प्रथम महिला स्पीकर (भारत और हरियाणा)**: शन्नो देवी ➢ **हरियाणा की प्रथम मुख्य सचिव:** सरूप कृष्ण ➢ **हरियाणा की प्रथम महिला मुख्य सचिव:** मीनाक्षी आनंद चौधरी ➢ **भाखड़ा बांध परियोजना के जनक:** चौधरी छोटू राम ➢ **हरियाणा के तीन लाल:** भजन लाल, देवी लाल और बंसी लाल ✓ **चौथे लाल:** मनोहर लाल खट्टर ➢ **प्रथम भारतीय अंतरिक्ष यात्री (हरियाणा से)**: कल्पना चावला (करनाल) ➢ **एवरेस्ट पर दो बार चढ़ने वाली प्रथम भारतीय महिला:** संतोष यादव ➢ **नेपाल और चीन दोनों तरफ से एवरेस्ट पर चढ़ने वाली प्रथम भारतीय महिला**: अनीता कुंडू (हिसार) ➢ **हरियाणा के प्रथम संत**: संत लाल दास ➢ **हादी-ए-हरियाणा (हरियाणा के आध्यात्मिक मार्गदर्शक):** शाह मुहम्मद रमजान महमी

हरियाणा राज्य के प्रतीक चिन्ह

1. **राज्य वृक्ष** – पीपल (फ़िकस रिलिजिओसा)
   - **अन्य नाम:**
     - ✓ अंग्रेजी नाम: पवित्र अंजीर, पवित्र बड़ा पेड़
     - ✓ संस्कृत नाम: अश्वत्थ
   - **विशेषताएँ:**
     - ✓ लाल फूलों वाला बड़ा पेड़ (फ़रवरी में खिलता है)
     - ✓ आमतौर पर ऊंचे इलाकों और मैदानी इलाकों में पाया जाता है
   - पीपल के पेड़ के हिस्से जैसे छाल, जड़, बीज, पत्ते आदि औषधीय उपयोग में आते हैं।
2. **राज्य फूल** – कमल (नेलुम्बो न्यूसीफ़ेरा)
   - चौड़ी तैरती पत्तियों वाला जलीय पौधा
   - **किस्में:**
     - ✓ लाल कमल
     - ✓ सफ़ेद कमल
   - **विशेषताएँ:**
     - ✓ उथले पानी में उगता है
     - ✓ "संतुलित रूप से व्यवस्थित और एक-दूसरे को आच्छादित करती पंखुड़ियाँ"
3. **राज्य पशु** – काला हिरन (एंटीलोप सर्विकाप्रा)
   - आमतौर पर भारत में पाया जाता है, पाकिस्तान और नेपाल में छोटी आबादी के साथ
   - **शारीरिक विशेषताएँ:**
     - ✓ **नर:** ऊपरी शरीर काला, निचला भाग सफ़ेद, आँखों के चारों ओर घेरा और मुड़े हुए सींग होते हैं।
     - ✓ **मादा:** हल्के भूरे रंग की, आमतौर पर सींग रहित
       - लगभग 80 सेमी लंबी, 32-43 किलोग्राम वजन वाली
4. **राज्य पक्षी** – ब्लैक फ्रेंकोलिन (फ्रैंकोलिनस फ्रेंकोलिनस)
   - इसे ब्लैक पार्ट्रिज (काला तीतर) के नाम से भी जाना जाता है
   - **निवास स्थान**: खेती वाले खेतों, झाड़ियों और आर्द्रभूमि के पास पाया जाता है

हरियाणा में स्थानों के ऐतिहासिक और वैकल्पिक नाम

हरियाणा के जिले और उनके शहरों के प्राचीन नाम		
जिला	**शहर**	**पुराना नाम**
कैथल	कैथल	कपिल स्थल
कुरुक्षेत्र	थानेसर	स्थानेश्वर
	पिहोवा	पृथूदक

जींद	सफीदों	सर्पदमन
	जींद	जयंतपुरी
यमुनानगर	जगाधरी	युगंधर
पंचकूला	कालका	कालकूट
सोनीपत	गोहाना	गौध्वना
	सोनीपत	स्वर्णप्रस्थ
फरीदाबाद	बल्लभगढ़	बलरामगढ़
पलवल	पलवल	अपल्व
हिसार	अग्रोहा	अग्रोडक
	हांसी	आसी या असिका
	हिसार	ईशुकारा
रोहतक	रोहतक	रोहितक
भिवानी	लोहारू	लोहारूप
झज्जर	बहादुरगढ़	शरफाबाद
फतेहाबाद	फतेहाबाद	इकदारा
महेंद्रगढ़	नारनौल	नारनाराष्ट्र
	महेंद्रगढ़	कनोद
अंबाला	अंबाला	अंबालिका
पानीपत	पानीपत	पांडुप्रस्थ या पाणप्रस्थ
करनाल	असंध	असंधिवत
रेवाड़ी	रेवाड़ी	रेववती
सिरसा	ऐलनाबाद	खरियाल

शहर और उनके विशेष शीर्षक

उद्योग एवं अर्थव्यवस्था से संबंधित केंद्र	➢ **पीतल नगरी (पीतल नगरी) :** रेवाड़ी ➢ **हरियाणा की वित्तीय राजधानी :** गुरुग्राम ➢ **दूसरी वित्तीय राजधानी :** पंचकूला ➢ **हरियाणा की औद्योगिक राजधानी :** फरीदाबाद ➢ **हरियाणा का कॉल सेंटर :** गुरुग्राम ➢ **मेडिसिटी :** गुरुग्राम ➢ **पेपर सिटी :** यमुनानगर

	➢ **शुगर सिटी :** पलवल, रोहतक ➢ **पेट्रोकेमिकल हब :** पानीपत ➢ **मेडिसिन हब :** पानीपत ➢ **कास्ट-ऑफ कैपिटल (टेक्सटाइल रिसाइकिलिंग के लिए वैश्विक केंद्र) :** पानीपत ➢ **नैनो सिटी :** रायपुर रानी (पंचकूला) ➢ **इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी :** गुरुग्राम ➢ **मिक्सी सिटी :** अंबाला ➢ **शूमेकर्स(जूता बनानेवाला) सिटी :** गुरुग्राम ➢ **मैग्नेट(चुंबक) सिटी :** हिसार ➢ **स्टील सिटी :** हिसार ➢ **हैंडलूम सिटी :** पानीपत ➢ **बुनकर सिटी :** पानीपत ➢ **उपकरण सिटी :** अंबाला ➢ **शिल्पकारों का कुंभ :** सूरजकुंड (फरीदाबाद) ➢ **साइबर सिटी / मिलेनियम सिटी:** गुरुग्राम
सांस्कृतिक और ऐतिहासिक केंद्र	➢ **हरियाणा की सांस्कृतिक राजधानी:** कुरूक्षेत्र ➢ **मंदिरों का शहर:**भिवानी ➢ **मिनी हरिद्वार:** पांडु-पिंडारा ➢ **हरियाणा का गया :** पिहोवा ➢ **धर्मनगरी:**कुरुक्षेत्र ➢ **गीता की जन्मस्थली :**कुरुक्षेत्र ➢ **360 बावलियों (बावड़ियों) की भूमि:** पिंजौर ➢ **360 तीर्थ स्थलों की भूमि:** कुरूक्षेत्र ➢ **68 तीर्थ स्थलों का संगम:** हाट गांव (जींद) ➢ **मुगलों का द्वीप :** थानेसर ➢ **हरियाणा का प्रवेश द्वार (हरियाणा का प्रवेश बिंदु):** बहादुरगढ़ ➢ **दिल्ली का लोहे का दरवाजा:** बल्लभगढ़ / बलरामगढ़ (फरीदाबाद) ➢ **संग्रहालयों का शहर:** कुरूक्षेत्र ➢ **गुरुद्वारों का शहर :** कैथल ➢ **छोटी काशी:** भिवानी (मंदिरों की बहुतायत के कारण) और कैथल (नवग्रह कुंडों के कारण)

	➢ **संत नगरी :** सिरसा ➢ **वैदिक सभ्यता का उद्गम स्थल :** कुरुक्षेत्र ➢ **धर्मार्थ ट्रस्टों का शहर :** भिवानी ➢ **पीर-फकीरों की धरती :** ताउरू (नूह) ➢ **कब्रों का शहर :** नूह ➢ **साहित्यकारों का आराध्य स्थल (साहित्यकारों के लिए पूजा स्थल) :** सीही ग्राम, फरीदाबाद (सूरदास की जन्मस्थली)
सैन्य और देशभक्ति से संबंधित शहर	➢ **युद्ध नायकों का शहर**:भिवानी ➢ **शहीदों का शहर**: झज्जर ➢ **अमर शहीदों का गांव (अमर शहीदों का गांव)**: तिगांव (फरीदाबाद) ➢ **सैनिकों की मातृभूमि और वीर भूमि** :रेवाड़ी
कृषि एवं डेयरी संबंधी केंद्र	➢ **हरियाणा का धान का कटोरा :** करनाल ➢ **कृषि हब :** करनाल ➢ **दूध नगरी :** जींद ➢ **कपास का शहर :** पलवल
विज्ञान, प्रौद्योगिकी और शिक्षा केंद्र	➢ **शिक्षा शहर:** रोहतक, सोनीपत, पंचकुला ➢ **साइलेज हब**: कुरूक्षेत्र ➢ **साइंस सिटी/ विज्ञान शहर**: अम्बाला
महत्वपूर्ण भौगोलिक एवं पर्यटन केंद्र	➢ **पार्कों का शहर:** कुरूक्षेत्र ➢ **तालाबों और बावलियों(कुओं) का शहर:** नारनौल ➢ **नहरों का शहर:** टोहाना (फतेहाबाद) ➢ **अहीरवाल का लंदन :**रेवाड़ी ➢ **हरियाणा का पेरिस:** करनाल ➢ **उत्तर भारत का नंदन वन:** यादवेंद्र उद्यान (पंचकूला) ➢ **उत्तर भारत का खजुराहो:** भीमा देवी मंदिर (पंचकूला) ➢ **दिल्ली सल्तनत का ताज महल:** गुजरी महल (हिसार) ➢ **हरियाणा का ताज महल:** शेख चिल्ली का मकबरा (थानेसर, कुरूक्षेत्र) ➢ **लघु महासागर:** ब्रह्म सरोवर (कुरुक्षेत्र) ➢ **हरियाणा का चेरापूंजी:** छछरौली (यमुनानगर) ➢ **खनिज भण्डार :**महेन्द्रगढ़ ➢ **पक्षी स्वर्ग:** सुल्तानपुर झील (गुड़गांव) ➢ **मछुआरों का स्वर्ग:** हथनीकुंड बैराज (यमुनानगर)

अन्य	➢ **हरियाणा की राजनीतिक राजधानी:**रोहतक ➢ **गुलाबी शहर:** फ़तेहाबाद ➢ **गोल्डन सिटी:** सोनीपत ➢ **हरियाणा का दिल** :जींद ➢ **जुड़वां शहर:** यमुनानगर और जगाधरी ➢ **ट्राइसिटी:** चंडीगढ़, पंचकुला और मोहाली
खेल	➢ **हॉकी हब:** शाहबाद (कुरुक्षेत्र) ➢ **मिनी क्यूबा** :भिवानी

हरियाणा के व्यक्तित्व और उनकी उपाधियाँ

धार्मिक, साहित्यिक और कला शीर्षक	➢ **साहित्यकार सम्राट, शिलादित्य**:हर्षवर्धन ➢ **बन्दी छोड़:** संत गरीबदास ➢ **हरियाणा के प्रथम भक्ति संत:** दादू दयाल ➢ **पुष्टि मार्ग का जहाज, वात्सल्य रस के सम्राट:** संत सूरदास ➢ **रुबाई सम्राट:** उदय भानु हंस ➢ **स्वर सम्राट, संगीत मार्तंड:** पंडित जसराज ➢ **हरियाणा के शेक्सपियर, हरियाणा के कालिदास**: पंडित दीपचंद ➢ **हरियाणा के तानसेन**: पंडित लख्मीचंद ➢ **संपूर्ण कविता कालिदास, कवि सूर्य (सूर्यकवि), सूर्यहार, सूफी दर्शन की मीरा,**: पंडित लखमीचंद ➢ **कवि शिरोमणि**: पंडित मांगेराम ➢ **सरस्वती पुत्र:** राजेंद्र सिंह खरकिया ➢ **हरियाणा के जॉन मिल्टन/सहज कवि**: दयाचंद मायना ➢ **हरियाणा की लता**: दिलराज कौर ➢ **हरियाणा के रफी:** भाल सिंह बल्हारा ➢ **हरियाणा के भामाशाह, जूट किंग**: सेठ छाजूराम ➢ **व्यंग्य पत्रकारिता के जनक, हरियाणा में पत्रकारिता के जनक**: बाबू बालमुकुंद गुप्ता ➢ **चार पंक्ति के कवि**: सुरेंद्र शर्मा ➢ **हरियाणा के हास्य रत्न:** अल्हड़ बीकानेरी ➢ **लोक रंगमंच के जनक**: अली बख्श ➢ **सांगों के भीष्म पितामह**: किशनलाल भट्ट ➢ **हरियाणा के पहले फिल्म निर्माता:** देवी शंकर प्रभाकर

राजनीतिक और नेतृत्व शीर्षक	➢ **जाटों का प्लेटो और जाटों का अफलातून :** राजा सूरजमल ➢ **हरियाणा केसरी:** पंडित नेकीराम शर्मा ➢ **ताओ, जन नायक, किंग मेकर, हरियाणा के भीष्म पितामह, शेर-ए-हरियाणा:** चौधरी देवीलाल ➢ **हरियाणा के लौह पुरुष, आधुनिक हरियाणा के वास्तुकार, हरियाणा के वास्तुकार (शिल्पी), भागीरथ राजा, हरियाणा का विकास पुरुष:** चौधरी बंसी लाल ➢ **हरियाणा के गांधी:** बाबू मूलचंद जैन ➢ **हरियाणा के ग्रैंड ओल्ड मैन:** पंडित श्रीराम शर्मा ➢ **पंजाब के ग्रैंड ओल्ड मैन:** राय बहादुर लाला मुरलीधर ➢ **किसानों के चैंपियन, रहबर-ए-आजम, भाखड़ा बांध के वास्तुकार:** चौधरी छोटू राम ➢ **राजनीति के चाणक्य:** चौधरी भजन लाल ➢ **हरियाणा के चौथे लाल:** मनोहर लाल खट्टर ➢ **हरियाणा का रॉबिनहुड:** हरफूल जाट जुलानीवाला ➢ **बांगर का शेर :** चौ. बीरेंद्र सिंह ➢ **हरियाणा के स्टील किंग:** ओम प्रकाश जिंदल ➢ **केसर-ए-हिन्द:** राय बहादुर लाला मुरलीधर ➢ **ग्रैंड ओल्ड लेडी, 1942 आंदोलन की नायिका:** अरुणा आसफ अली ➢ **दीनबंधु:** चौधरी छोटू राम ➢ **बुआ जी:** चंद्रावती ➢ **हादी-ए-हरियाणा:** शाह मुहम्मद
खेल शीर्षक	➢ **हरियाणा हरिकेन (पाजी):** कपिल देव ➢ **फ़्लिकर सिंह:** संदीप सिंह ➢ **टाइगर पटौदी:** मंसूर अली खान ➢ **नजफगढ़ के नवाब, मुल्तान के सुल्तान:** वीरेंद्र सहवाग ➢ **गोल्डन गर्ल:** ममता खरब ➢ **लेडी सहवाग:** शैफाली वर्मा ➢ **हॉकी की महान दीवार:** सविता पुनिया ➢ **द मैन विद ए गोल्डन आर्म:** नीरज चोपड़ा ➢ **एशिया की स्कोरिंग मशीन, भारत के माइकल जॉर्डन, बास्केटबॉल के जादूगर:** ख़ुशीराम ➢ **हॉकी की रानी:** रानी रामपाल ➢ **बास्केटबॉल की रानी:** शीबा मैगमैन ➢ **करनाल/तारौरी एक्सप्रेस:** नवदीप सैनी

	➢ **पहाड़ की चील: शिवांगी पाठक (हिसार)** ➢ **आयरन मैन:** राहुल तुरान (कैथल) ➢ **हार्ड लेडी, लेडी खाली:** कविता दलाल ➢ **रुस्तम-ए-हिंद:** सज्जन सिंह ➢ **हिंद केसरी और भारत केसरी:** मास्टर चंदगी राम
विविध शीर्षक	➢ **हरियाणा के जलपुरुष**: धर्मबीर सिंह ➢ **हरियाणा के वृक्ष पुरुष**: देवेन्द्र सूरा (सोनीपत) ➢ **हरियाणा के पुष्प पुरुष**: रामजी जयमल (सिरसा) ➢ **अंतरिक्ष रानी**: कल्पना चावला ➢ **गूगल बॉय:** कौटिल्य पंडित

हरियाणा: प्रमुख शहर और उनके संस्थापक

हरियाणा के जिले: नामकरण और संस्थापक		
जिला	**नामकरण के आधार पर**	**संस्थापक**
अंबाला	अंबालिका, अंबा राजपूत, या आम के वृक्षों की अधिकता	अंबा राजपूत
करनाल	दानवीर कर्ण (महाभारत)	—
झज्जर	किसान छज्जू	झज्जर: छज्जू जाट द्वारा स्थापित जहाजगढ़ (झज्जर): जॉर्ज थॉमस द्वारा स्थापित बहादुरगढ़ (झज्जर): राठी जाटों द्वारा स्थापित
मेवात	मेओ समुदाय के प्रभुत्व के कारण इसका नाम रखा गया नूह (अन्य नाम) - साल्ट (नून/नौन) के नाम पर रखा गया	—
पलवल	राक्षस पलंबासुर	—
छारखी दादरी	इस क्षेत्र में मेंढकों (दादुर) की अधिकता के कारण	बिल्वराज
रोहतक	राजा रोहताश भ्रम	राजा रोहताश
भिवानी	राजा नीम सिंह की पत्नी भानी	नीम सिंह
सोनीपत	श्रवण कुमार	गोहाना (सोनीपत): पृथ्वीराज चौहान द्वारा स्थापित
हिसार	फ़ारसी शब्द "हिसार-ए-फ़िरोज़ा" से (हिसार = किला) या चार किलों के दरवाजों की उपस्थिति के कारण	फ़िरोज़ शाह तुगलक आधुनिक हांसी (हिसार): आशाराम जाट द्वारा स्थापित

गुरुग्राम	गुरु द्रोणाचार्य	—
जींद	जयंती देवी (विजय की देवी)	—
महेंद्रगढ़	राजकुमार महेंद्र सिंह, पटियाला के महाराजा नरेंद्र सिंह के पुत्र	अनंगपाल
फरीदाबाद	बाबा फरीद	शेख फरीद
सिरसा	शाश्वत ऋषि या शिरीष वृक्ष	सिरसा: राजा सरस द्वारा स्थापित एलेनाबाद (सिरसा): रॉबर्ट हच की पत्नी एल्ना के नाम पर
यमुनानगर	इसका नाम यमुना नदी के तट पर स्थित होने के कारण रखा गया है	छछरौली (यमुनानगर): गुरबख्श सिंह द्वारा स्थापित
कैथल	ऋषि कपिल	—
रेवाड़ी	राजा रेवत द्वारा रेवती को दान देने के कारण	करम पाल, राजा रेवत कोसली (रेवाड़ी) -कोसल देव सिंह (बाबा मुक्तेश्वर पुरी से प्रेरित)
पानीपत	ऋषि पाणिनी या पानी जनजाति	—
फतेहाबाद	फिरोज शाह तुगलक के पुत्र फतेह खान	फिरोज शाह तुगलक
पंचकूला	पंच कुल्हा (पांच कुएं)	—

हरियाणा में उल्लेखनीय प्रथम उपलब्धियां	
शासन और न्यायपालिका	➢ **हरियाणा के प्रथम राज्यपाल - श्री धर्म वीर** ➢ **हरियाणा के प्रथम मुख्यमंत्री -** श्री भगवत दयाल शर्मा ➢ **हरियाणा के प्रथम लोकायुक्त -** श्री प्रीतम पाल सिंह ➢ **हरियाणा उच्च न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायाधीश -** श्री रामलाल ➢ **हरियाणा विधानसभा की प्रथम महिला अध्यक्ष -** शन्नो देवी ➢ **हरियाणा विधानसभा के प्रथम पुरुष अध्यक्ष -** राव वीरेंद्र सिंह ➢ **हरियाणा की पहली महिला वन अधिकारी-**अमरिंदर कौर
धार्मिक और सामाजिक आंदोलन	➢ **हरियाणा में आर्य समाज की प्रथम शाखा -**रेवाड़ी (1880 ई.) ➢ **हरियाणा में सनातन धर्म की प्रथम शाखा -** झज्जर (1886 ई.)
साहित्य एवं पत्रकारिता	➢ **हरियाणा के प्रथम उपन्यासकार** – राजा राम शास्त्री (झाड़ूफिरी) ➢ **हरियाणा के प्रथम राज्य कवि** – उदय भानु हंस ➢ **हरियाणा का प्रथम समाचार पत्र** – हरियाना (झज्जर से प्रकाशित) ➢ **हरियाणा की प्रथम शोध पत्रिका** – हरियाणा शोध पत्रिका ➢ **प्रथम एवं अंतिम उर्दू राज्य कवि:** अनूपचंद आफताब

फिल्म उद्योग	➢ **पहली हरियाणवी फिल्म:** धरती (1968) ➢ **हरियाणा के प्रथम फिल्म निर्माता -** देवीशंकर प्रभाकर ➢ **हरियाणा के पहले फिल्म निर्देशक -** आनंद कुमार
शिक्षा और अनुसंधान	➢ **हरियाणा का पहला कैंसर संस्थान** – बाढ़सा (झज्जर) ➢ **हरियाणा का पहला विश्वविद्यालय** – कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ➢ **हरियाणा का पहला कॉलेज** – पंडित नेकी राम शर्मा कॉलेज, (रोहतक)
खेल	➢ **भारतीय क्रिकेट टीम में हरियाणा के पहले कप्तान** – नवाब मंसूर अली खान ➢ **पहला क्रिकेट विश्व कप जीतने वाले भारतीय कप्तान** – कपिल देव ➢ **हरियाणा की पहली महिला पर्वतारोही** – संतोष यादव

चंडीगढ़ से जुड़े तथ्य

चंडीगढ़	
निरीक्षण	➢ स्वतंत्रता के बाद भारत का पहला नियोजित शहर। ➢ चंडीगढ़ शहर को चार प्रमुख कार्यों के आधार पर डिज़ाइन(आलेखन) किया गया है: ✓ रहन-सहन ✓ काम करना ✓ शरीर और आत्मा की देखभाल ✓ परिसंचरण ➢ इसे "सुंदर शहर" के रूप में भी जाना जाता है। ➢ मोहाली (पंजाब) से तीन तरफ और पंचकूला (हरियाणा) से एक तरफ घिरा हुआ है। मोहाली और पंचकूला के साथ "त्रि-शहर" का हिस्सा बनता है। ➢ हिमालय की शिवालिक तलहटी में स्थित है। ➢ चंडीगढ़ सरकार का प्रतीक और प्रतीक ओपन हैंड (ओपन हैंड स्मारक) है, जिसे ली कोर्बुसिएर द्वारा डिज़ाइन किया गया है।
ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	➢ 2 अप्रैल, 1952 को पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा इसकी नींव रखी गई। ➢ फ्रांसीसी वास्तुकार ली कोर्बुसिए द्वारा डिजाइन किया गया। ➢ 1 नवंबर,1966 को यह पंजाब और हरियाणा की संयुक्त राजधानी बन गया।

ली कोर्बुसिए द्वारा वास्तुशिल्पीय लेआउट (विन्यास)	**शहर का हिस्सा** — **घटक** सिर → कैपिटल कॉम्प्लेक्स (सेक्टर-1) हृदय → सिटी सेंटर (सेक्टर-17) फेफड़े → लीजर वैली आंतें → औद्योगिक क्षेत्र परिसंचरण तंत्र → सड़क नेटवर्क सात 'V' श्रेणियों के साथ (सड़कों की श्रेणीबद्ध व्यवस्था)
पर्यटक आकर्षण एवं संस्थान	➢ संस्थान ✓ सीएसआईओ (केंद्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन) ▪ 1962 में चंडीगढ़ स्थानांतरित हुआ। ✓ बॉटनिकल गार्डन, सारंगपुर ▪ इसकी आधारशिला 30 मई, 2002 को लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) जे.एफ.आर. जैकब, तत्कालीन प्रशासक, यू.टी. चंडीगढ़ द्वारा रखी गई थी। ➢ झीलें ✓ सुखना झील ▪ 1958 में ली कोर्बुसिए द्वारा निर्मित। ✓ रॉक गार्डन ▪ 1957 में नेक चंद सैनी द्वारा स्थापित। ✓ ज़ाकिर हुसैन रोज़ गार्डन (गुलाब बाडी) ▪ एशिया का सबसे बड़ा रोज़ गार्डन। ➢ ऐतिहासिक और स्मारक स्थल ✓ शहीद स्मारक (शहीद स्मारक) ✓ ओपन हैंड स्मारक ▪ ली कोर्बुसिए द्वारा डिज़ाइन किया गया। 1964 में बनाया गया। ▪ यह चंडीगढ़ सरकार का प्रतीक और प्रतीक है। ▪ यह शांति और सुलह का प्रतीक है। यह देने और लेने के लिए खुला है।

2 CHAPTER हरियाणा का प्राचीन इतिहास

हरियाणा राज्य प्राचीन काल में अस्तित्व में था और मनुष्यों का घर भी था। हरियाणा के प्राचीन इतिहास को प्रागैतिहासिक काल, आद्य ऐतिहासिक काल तथा ऐतिहासिक काल में विभाजित किया गया है।

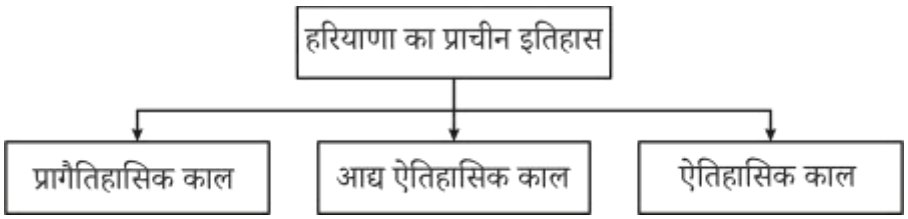

हरियाणा में प्रागैतिहासिक काल

बिना किसी लिखित अभिलेख वाले युग को 'प्रागैतिहासिक काल' कहा जाता है। इस काल के अवशेष हरियाणा के इतिहास की जानकारी प्रदान करते हैं। इसे तीन अलग-अलग चरणों में वर्गीकृत किया गया है: पुरापाषाण युग, मध्यपाषाण युग और नवपाषाण युग। इनका विवरण नीचे दिया गया है:

क्या आप जानते हैं?

हरियाणा में पहला मानव साक्ष्य मानव खोपड़ी के रूप में पिंजौर/शिवालिक क्षेत्र (पंचकूला) में मिला था।
डॉ. गाइ एल्कॉक पिलग्रिम ने निष्कर्ष निकाला कि खोपड़ी 15 मिलियन वर्ष (1.5 करोड़ वर्ष) पुरानी है।

1. पुरापाषाण युग

- पुरातत्ववेत्ता जैसे दिलीप चक्रवर्ती, एस.आर. फोगाट, नयनजोत लाहिड़ी, एम.के. कुमार, और जी.सी. महापात्रा ने हरियाणा के विभिन्न स्थलों से पुरापाषाणकालीन हल्के भूरे क्वार्टजाइट से निर्मित पत्थर के औजारों की खोज की है।
- हरियाणा के धामली, कोटला, सुकेतड़ी, पिंजौर, पापलिना और झिरका जैसे क्षेत्रों में पुरापाषाणकालीन उपकरण पाए गए हैं। ये उपकरण आम तौर पर गोल, छोटे और चपटे आकार के होते हैं और संभवतः प्राचीन काल में शिकार के लिए उपयोग किए जाते थे।
- हरियाणा में खोजे गए पुरापाषाणकालीन उपकरणों को मुख्य रूप से दो प्रकारों में वर्गीकृत किया गया है: कोर और फ्लेक उपकरण।
- इस अवधि को आगे तीन अवधियों में विभाजित किया गया है जैसा कि नीचे दिया गया है:

a. निम्न पुरापाषाण काल (5,00,000 - 1,25,000 वर्ष पूर्व)
   - ✓ इस अवधि के दौरान, मनुष्यों ने उपकरण बनाने के लिए मुख्य रूप से पत्थर के अंदरूनी हिस्से, जिसे कोर के रूप में जाना जाता है, का उपयोग किया। इस युग के मुख्य उपकरणों में कच्ची कुल्हाड़ियाँ, स्क्रेपर्स(खुरचनी) और इसी तरह के उपकरण शामिल थे।
   - ✓ हरियाणा में इस काल के साक्ष्य पिंजौर-कालका के पास शिवालिक पहाड़ियों और गुरुग्राम और फरीदाबाद में अरावली पहाड़ियों की उत्तरी श्रृंखला में पाए गए हैं।
   - ✓ पिंजौर-कालका क्षेत्र में दस स्थलों से पुरातात्विक खोज इस काल के उपकरणों की उपस्थिति का संकेत देती है। इन स्थलों में दामला, सुकेतड़ी, चंडी मंदिर, मनसा देवी, डेरा खरूनी, मेहरानवाला, खंडी-खंडा, चंडी कोटला, नयागांव और पिंजौर (एचएमटी फैक्ट्री के पास) शामिल हैं।

b. मध्य पुरापाषाण काल (1,25,000-40,000 वर्ष पूर्व)

- ✓ इस समय के दौरान, मनुष्य छोटे पत्थर के औजारों जैसे स्क्रेपर्स(खुरचनी) और बोरर्स (वेधक) का उपयोग करते थे। वे गुफाओं और नदी घाटियों में भी बसने लगे। इस काल के औजारों के साक्ष्य पंचकुला के कालका क्षेत्र में पाए गए हैं।

c. उच्च पुरापाषाण काल (40,000-10,000 वर्ष पूर्व)

- ✓ इस काल के उपकरण मध्य पुरापाषाण काल की तुलना में काफी छोटे और हल्के थे। अधिकांश उपकरण ब्लेड जैसे थे, जिससे वे अधिक धारदार और अधिक कुशल बन गए।
- ✓ हिसार में सीसवाल, हांसी में राखीगढ़ी, भिवानी में मिताथल और फतेहाबाद में बनावली सहित स्थलों पर मूसल, ओखली और तेज धार वाली हंसिया जैसी कलाकृतियों की खोज की गई है।

2. मध्यपाषाण युग

- ➢ इस काल में औजारों का आकार छोटा कर दिया गया और उन्हें 'माइक्रोलिथ' कहा जाने लगा।
- ➢ इस अवधि के दौरान, प्राथमिक उपकरणों में स्क्रेपर्स, बोरर्स और छेनी शामिल थे।
- ➢ डॉ. दिलीप चक्रवर्ती और नयनजोत लाहिड़ी की देखरेख में, हरियाणा के विभिन्न स्थलों से कई मध्यपाषाणकालीन पत्थर के उपकरण खोजे गए हैं।
- ➢ इन स्थलों में गुरुग्राम-फरीदाबाद की अंकर पहाड़ियाँ, मेवला पहाड़ियाँ, नोडा, कोह, मोहताबाद पहाड़ियाँ, पलियांगाँव पहाड़ियाँ, सिरोही, गोठड़ा, धौज, निमौर, तेथुर, खोरी जमालपुर, निमरीवाली पहाड़ियाँ, छतरपुर, हरचंदपुर, सिकंदरपुर, बंधवा घाटी, नांगरी की थानी, धुलावट, भूतला और मानेसर शामिल हैं।

3. नवपाषाण युग

- ➢ इस काल में मानव ने कृषि करना प्रारम्भ किया। सीसवाल में प्रारंभिक कृषि के साक्ष्य मिले हैं। इस काल की अन्य खोजों में मोती, मिट्टी की चूड़ियाँ, पहिये पर बने लाल मिट्टी के बर्तन और भूरे रंग के मिट्टी के बर्तन शामिल हैं।
- ➢ इसके अतिरिक्त, शिवालिक पहाड़ियों की निचली श्रृंखला में स्थित पिंजौर-कालका क्षेत्र में कई स्थानों पर नवपाषाणकालीन कलाकृतियों की खोज की गई है।

Toppersnotes Unleash the topper in you

3 CHAPTER आद्य-ऐतिहासिक काल

यह वह काल था जब लोगों को लिपि और अक्षर तो ज्ञात थे लेकिन उनकी भाषा अभी तक समझी नहीं जा सकी थी। हरियाणा में सीसवाल संस्कृति, हाकरा संस्कृति, रंग महल संस्कृति और सिंधु घाटी सभ्यता शामिल हैं।

1. सिसवाल संस्कृति

- ऐसा माना जाता है कि लगभग 2500 ईसा पूर्व, राजस्थान से कृषक समुदाय पलायन कर गए और दृषद्वती घाटी में बस गए।
- सिसवाल संस्कृति मुख्य रूप से एक कृषि प्रधान समाज के रूप में विकसित हुई।
- इसका नाम सिसवाल गांव (हिसार) के नाम पर रखा गया है और यह चौतांग नहर के तट पर स्थित है।
- हरियाणा में इस संस्कृति से संबंधित कुल 29 स्थल खोजे गए हैं।
- इस संस्कृति की प्रमुख विशेषता सफेद डिज़ाइन (रूप-रेखा) वाले काले रंग से चित्रित मिट्टी के बर्तन हैं।
- पुरातात्विक उत्खनन →
  - ✓ 1968: प्रागैतिहासिक अवशेषों की खोज के कारण विद्वानों ने पहली बार सिसवाल के पुरातात्विक महत्व पर ध्यान दिया।
  - ✓ 1970: डॉ. सूरज भान (पंजाब विश्वविद्यालय) ने उत्खनन कराया।
- निष्कर्ष →
  - ✓ हरियाणा का सबसे ऊंचा (4 फीट ऊंचा) शिवलिंग सिसवाल में पाया गया है।
  - ✓ मिट्टी के बर्तन:
    - काले और सफेद रंग में रंगे लाल मिट्टी के बर्तन और कुछ भूरे रंग के मिट्टी के बर्तन।
    - प्राप्त मिट्टी के बर्तन कालीबंगन (राजस्थान) से मिलते जुलते हैं।
  - ✓ कलाकृतियाँ:
    - चित्रित टेराकोटा चूड़ियाँ, मोती, तांबे की कुल्हाड़ी जैसी वस्तु
- हरियाणा में सिसवाल बस्तियों का वर्गीकरण

श्रेणी	कुल स्थल	प्रमुख नदी घाटियाँ
प्रारंभिक सिसवाल बस्तियाँ	13	सरस्वती, यमुना, दृषद्वती घाटियों में पाई जाती हैं
मध्य सिसवाल बस्तियाँ	20	सरस्वती, घग्घर, यमुना, दृषद्वती घाटियों में पाई जाती हैं
नवीन (अंतिम) सिसवाल बस्तियाँ	28	सरस्वती, यमुना, दृषद्वती, साहिबी घाटियों में पाई जाती हैं

- सिसवाल संस्कृति की प्रमुख विशेषताएँ →
  - ✓ कृषि एवं पशुपालन
    - कृषि मुख्य व्यवसाय था।
    - पालतू पशु जैसे गाय, बैल, बकरी, कुत्ता, सुअर।
    - इस काल में दूध का उपभोग प्रारम्भ हुआ।
    - लोगों को चमड़े, ऊनी और सूती वस्त्रों का ज्ञान था।

- ✓ धातु का उपयोग
  - तांबे से परिचित (खेतड़ी खान, राजस्थान से प्राप्त)।
- ✓ सामाजिक एवं धार्मिक विकास
  - गोत्र आधारित समाज, पारिवारिक संरचनाओं का उद्भव।
- ✓ मानवशास्त्रीय पहचान
- ✓ रूसी विद्वान वी.वाई. गैनकोव्स्की ने सुझाव दिया कि सिसवाल लोग नीग्रो-ऑस्ट्रेलॉइड वंश के थे, जिनकी शारीरिक विशेषताएं छोटी ऊंचाई, गहरी त्वचा, घने घुंघराले बाल और चौड़ी नाक थीं।

➢ सिसवाल संस्कृति से संबंधित प्रमुख स्थान:

जिला	स्थल
हिसार	सिसवाल, सालिमगढ़, शाहपुर, पाटन, सतरौद खुर्द, अलीपुर, खरड़, सिसाय, डाटा, पाली, राखीगढ़ी, सेंधवा
सिरसा/फतेहाबाद	बानी, तलवाड़ा, रत टिब्बा, चिमू, रानिया
भिवानी	दादरी, मन्हेड़ू, चांग, तिगड़ाना
रेवाड़ी	बादली, लोहार, बादशाह
गुरुग्राम	अलदूका, सुल्तानपुर, मुक्कोला, गोकलपुर, मुंडेहड़ा, पापड़ा, मामलिका
कैथल	मोह, चेहा, रिटौली, कलायत, जठेरी, पूंडरी
जींद	नरवाना, बरसाना, खोखरी
करनाल	कुंजपुरा, निसंग, धचर, बहोला

क्या आप जानते हैं?
सिसवाल में नवपाषाणकालीन कृषि बस्तियों के साक्ष्य मिले हैं।

➢ सिसवाल संस्कृति के महत्वपूर्ण स्थल

(i) सिसवाल

- ✓ पश्चिमी हिसार में चौतांग नदी के तट पर स्थित एक गांव सिसवाल की पहचान पहली बार 1968 में एक सतही जांच के दौरान की गई थी। 1970 में डॉ. सूरजभान ने पंजाब विश्वविद्यालय के अंतर्गत उत्खनन का नेतृत्व किया।
- ✓ साइट से प्राप्त वस्तुओं में हस्तनिर्मित मिट्टी के बर्तन, चित्रित मिट्टी की चूड़ियाँ, मोती, तांबे से चलने वाली दरांती और पत्थर के उपकरण शामिल हैं। मिट्टी के बर्तनों पर सफेद और काला रंग है, कुछ टुकड़े भूरे रंग के हैं।

(ii) मिताथल

- ✓ हरियाणा के भिवानी जिले में स्थित मिताथल में 1915-16 में गुप्तकालीन सिक्के मिले थे। 1968 में पंजाब विश्वविद्यालय के डॉ. सूरजभान के नेतृत्व में खुदाई शुरू हुई।
- ✓ साइट पर एक टीला है जो दो भागों में विभाजित है, प्रत्येक 4-5 मीटर ऊँचा है। उत्खनन से 30 x 20 x 10 सेमी आकार की ईंटों का उपयोग करके, छप्पर वाली छतों वाले धूप में सुखाए गए ईंट के घरों का पता चला।
- ✓ प्राप्त वस्तुओं में आग से पके हुए मिट्टी के बर्तन, मिट्टी और हरी फ़ाइनेस की चूड़ियाँ, पत्थर की गेंदें, पत्थर के पोखर, तांबे की चूड़ियाँ, हाथी के दाँत की पिन और भूरे रंग के व्यंजन शामिल हैं।

(iii) बनावली

- ✓ हरियाणा के फतेहाबाद जिले के एक छोटे से गांव बनावली की पहचान पहली बार 1965 में की गई थी, जिसकी खुदाई 1974 में हरियाणा पुरातत्व विभाग के तहत शुरू हुई थी।
- ✓ साइट में मिट्टी-ईंट के घर हैं, हालांकि 1:2:3 के अनुपात में कुछ पकी हुई ईंटें भी मिलीं। यहां के सिसवालवासी तांबा, कांस्य और सोने का उपयोग करते थे।
- ✓ खोजों में गोल स्टोव, एक भट्ठी, मिट्टी के बर्तन, दुर्लभ पत्थर के गहने, रसोई के बर्तन, कुंडी, और बच्चों के खिलौने जैसे छाता कार शामिल हैं।

(iv) राखीगढ़ी

- ✓ राखीगढ़ी, जिसे राखी शाहपुर के नाम से भी जाना जाता है, हिसार जिले की हांसी तहसील का एक प्रसिद्ध गाँव है। इसका ऐतिहासिक महत्व पहली बार 1964 में पहचाना गया था। उत्खनन से सिसवाल संस्कृति के बारे में जानकारी मिली है।
- ✓ प्रमुख खोजों में मिट्टी के बर्तन, चित्रित चूड़ियाँ और विभिन्न कीमती पत्थर शामिल हैं, जिनमें से कुछ मिट्टी के बर्तन भूरे रंग के हैं।

(v) बालू

- ✓ हरियाणा के जिंद जिले के एक गांव बालू की खुदाई 1978-79 में कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा की गई थी।
- ✓ खोजों में कच्चे ईंट के घरों के अवशेष, लाल और भूरे पहिये से बने मिट्टी के बर्तन, मिट्टी के मोती, चूड़ियाँ, पत्थर के मोती और विभिन्न कलाकृतियाँ शामिल हैं। अन्य खोजों में मिट्टी की मूर्तियाँ, खिलौने, गाड़ियाँ, हड्डी की सुईयाँ, पीसने वाले पत्थर, फ़ाइनेस चूड़ियाँ और तांबे के उपकरण शामिल हैं।

(vi) फरमाणा

- ✓ यह हरियाणा के रोहतक जिले का एक छोटा सा गाँव है।
- ✓ 2007-09 के बीच खुदाई की गई यह साइट सिसवाल संस्कृति के पहले चरण से जुड़ी हुई है।
- ✓ खोजों में 2-3 मीटर गहरे गड्ढे शामिल हैं, जिनमें से कुछ का उपयोग मिट्टी के स्टोव के साथ रसोई के रूप में किया जाता है। काले रंग से रंगे हुए लाल मिट्टी के बर्तन भी मिले हैं।

(vii) कुणाल

- ✓ फ़तेहाबाद जिले की रतिया तहसील में, सरस्वती नदी के दाहिने किनारे पर स्थित, कुणाल ने सिसवाल संस्कृति के गड्ढों और मिट्टी के बर्तनों का खुलासा किया है। उल्लेखनीय खोजों में शाही मुकुट, साथ ही सोने और चांदी के गहने शामिल हैं।

(viii) गिरावड़

- ✓ रोहतक जिले में स्थित, गिरावद में खुदाई 2007 में शुरू हुई, जिसमें 13 गड्ढे, 2 भट्टियां और कुछ मिट्टी के बर्तन मिले।

(ix) भिरड़ाना

- ✓ फतेहाबाद जिले में स्थित, इस साइट में सिसवाल संस्कृति का एक ऊंचा टीला है, जिसकी खुदाई 2003-05 के बीच की गई थी। खोजों में लाल और भूरे मिट्टी के बर्तनों के साथ-साथ फरमाणा और गिरावद के समान गड्ढे भी शामिल हैं।

2. हकरा संस्कृति

- ✓ इस संस्कृति के साक्ष्य हकरा घग्गर नदी के जल निकासी क्षेत्र में मिले हैं
- ✓ कुणाल पहला उत्खनन स्थल है जहाँ से हकरा संस्कृति के साक्ष्य मिले हैं।

3. रंग महल संस्कृति

- ✓ इस संस्कृति के साक्ष्य सिरसा में मिले थे।
- ✓ प्रमुख उत्खनन इस प्रकार हैं: